This question paper contains **8** printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

2763

B.Com./III **D-I**

Paper XV—HINDI

मानविकी वर्ग—वैकल्पिक प्रश्नपत्र

(हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

1 सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) परशु और तप, ये दोनों वीरों के ही होते शृंगार,
क्लीव न तो तप ही करता है, न तो उठा सकता तलवार।
तप से मनुज दिव्य बनता है, षड् विकार से लड़ता है,
तन की समर-भूमि में लेकिन, काम खड्ग ही करता है।

अथवा

नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में,
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुंज-कानन में।
समझे कौन रहस्य ? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल,
गुदड़ी में रखती चुन-चुन कर बड़े कीमती लाल। 8

P.T.O.

(ख) 'यह तुम नहीं, तुम्हारा स्वार्थ बोल रहा है। स्वार्थ को इतनी छूट देना ठीक नहीं कि वह विवेक को ही खा जाए। अखबारों को तो आज़ाद रहना ही चाहिए। वे ही तो हमारे कामों का, हमारी बातों का असली दर्पण होते हैं। मेरा तो उसूल है कि दर्पण को धुँधला मत होने दो। हाँ, अपनी छवि देखने का साहस होना चाहिए आदमी में। बड़ी हिम्मत और बूता चाहिए उसके लिए। इससे जो कतराता है, वह दूसरे को नहीं, अपने को ही छलता है।

अथवा

''बहुत हुआ, बहुत हुआ दूत ! क्या हम लोग भेड़-बकरियाँ हैं, जो चाहे जिसके हवाले कर दी जायँ ? आज ही तो हमारे भाग्य का फैसला है। जिस सिंहासन को

तुम डावाँडोल कर रहे हो, वह हमारे ही तो कंधों पर टिका है। क्या उस पर वह बैठेगा, जिसके कारण सैकड़ों घर उजड़ चुके हैं, वह जिसने कोणार्क के सौंदर्य-निर्माता शिल्पियों को ठीकरों से तुच्छ मान ठुकराया ? कलिंग हमारा है और उसके अधिपति हैं हमारे प्रजावत्सल नरेश श्री नरसिंहदेव। 8

2. 'रश्मिरथी' की मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

अथवा

कर्ण के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 11

3. 'महाभोज' उपन्यास का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'लोचन मैया' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 11

4. रंगमंच की दृष्टि से 'कोणार्क' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'धर्मपद' का चरित्र-चित्रण कीजिए। 11

5. (क) 'अतीत के चलचित्र' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) लेखिका के घर बिंदा क्या-क्या काम करती थी ?

(*ii*) गुँगिया का बेटा उसे छोड़कर क्यों चला गया ?

(*iii*) महादेवी वर्मा ने साबिया की उपमा किस पौराणिक चरित्र से की है, और क्यों ?

(*iv*) बदलू की कोई **दो** विशेषताएँ बताइए।

(ख) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(*i*) बी.ए. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने के बाद भी लेखक आई.सी.एस. की परीक्षा में क्यों नहीं बैठे ?

(*ii*) बच्चन जी की किन्हीं **दो** चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*iii*) "हमारे परिवार में न साम्प्रदायिक एकता थी न कट्टरता"—इसे सिद्ध करने के लिए लेखक ने कौनसा उदाहरण दिया है ?

(*iv*) बच्चन जी के बाबा (भोलानाथ) का व्यक्तित्व अपने पिता (मिठ्ठू लाल) के व्यक्तित्व के नीचे दबकर क्यों रह गया ? 11

6. (क) भक्ति काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भारतेन्दु युग की प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए। 12

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(*i*) मीरा

(*ii*) सुमित्रानन्दन पन्त

(*iii*) सूरसागर

(*iv*) कुरुक्षेत्र। 6

7. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए :

(*i*) घर का भेदी लंका ढाए।

(*ii*) विपत्ति मित्रता की कसौटी है।

(*iii*) चरित्र ही जीवन का भूषण है। 6

(ख) निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्तमान शासन प्रणालियों में जनतन्त्र से बढ़कर उत्तम कोई प्रणाली नहीं है क्योंकि उसमें जनता को स्वयं यह अधिकार प्राप्त रहता है कि वह अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधान-सभाओं और संसद में भेजती है। ऐसे 'प्रत्यक्ष चुनाव' में प्रायः वही व्यक्ति निर्वाचित होता है जिसका सार्वजनिक जीवन अच्छा हो तथा जो जनता की सेवा करता हो। इस प्रणाली में जनता को यह अधिकार है कि यदि वह किसी दल अथवा किसी व्यक्ति के कार्यों से सन्तुष्ट नहीं है तो दूसरी बार उस दल या व्यक्ति को अपना मत न दे। निर्वाचन

में विरोधी दलों के भी कुछ व्यक्ति चुने जाते हैं जो अपनी आलोचना से शासक दल के स्वेच्छाचार पर अंकुश रखते हैं। इस प्रकार देश की शासन-प्रणाली में विरोधी दलों का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

(*i*) जनतांत्रिक प्रणाली में विरोधी दल का महत्व क्यों होता है ?

(*ii*) जनतांत्रिक प्रणाली में प्राय: किस प्रकार के व्यक्ति चुने जाते हैं ?

(*iii*) वर्तमान शासन प्रणालियों में उत्तम प्रणाली कौनसी है और क्यों ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

Delhi ranks as one of the most ancient and historic cities of India. It has been the capital of mighty empires and powerful kingdoms. It has been the ebb

and flow of many a civilization. Its lofty towers, stately palaces, grand mosques and temples and majestic forts have excited the envy and wonder of the world. Its wealth and splendour have acted as a magnet in attracting the cupidity of invaders. Several times the city was saved but out of the ashes, like the phoenix arose still another city more resplendent than the previous one. 8

(ग) अपने क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर समाचार-पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए।

अथवा

अपने जीवन की किसी रोचक घटना का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। 8